

उत्तराखण्ड शासन

विक्रमा अनुभाग-2

संख्या : ८५ / XXVIII-2-2007-82/2006

देहरादून: दिनांक : २० मार्च, 2007

कार्यालय आप

६१० वाई०एस०एफ०, तत्कालीन विक्रमाधिकारी, दून
विक्रमालय देहरादून सम्प्रति सेट मरी विक्रमालय मसूरी, देहरादून को फर्जी विक्रमा
प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के फलस्वरूप कार्यालय आप सं० ९९१/२८-२-२००६-८२/२००६,
दिनांक ०८.१०.२००६ द्वारा उन्हें आरपिप्त करत हुये उनके विरुद्ध उत्तरांचल राज्य कर्मचारी
आचारण नियमावली २००२ के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्यवाही प्रारम्भ की गई तथा उन पर
लगाये गये आरोपों की जांच हेतु निदेशक, विक्रमा उपचार को जाँच अधिकारी नामित किया
गया। तत्पश्चात् में जांच अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी जांच आख्या व अपचारी
अधिकारी के कथन का परीक्षण किया गया और पाया गया कि ६१० एफ०एस०एफ० द्वारा
स्वरथा प्रमाण पत्र देने में लापरवाही बरती गई है। अतः जांच आख्या एवं अपचारी
अधिकारी के कथनों के सम्यक विचारोपरान्त उनके उक्त कार्य के लिये भर्त्सना की जाती है
तथा उनके विरुद्ध प्रचलित जांच को समाप्त करत हुये चेतावनी दी जाती है कि भविष्य में
उनके द्वारा इस प्रकार का कृत्य पुनः करने पर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

एस० राजू

सचिव

पृ० सं० :- ८५ (१) / XXVIII-2-2007-82/2006, तद्विनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

१- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।

२- महानिदेशक, विक्रमा स्वरथ एवं परिवार कल्याण, देहरादून को उनके पत्र संख्या

२५/रा०पु०/६४/२००६/३७५२३, दिनांक १८.१२.२००६ के संदर्भ में प्रेषित।

३- अपर निदेशक, विक्रमा स्वरथ एवं परिवार कल्याण, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।

४- मुख्य विक्रमा अधीक्षक, दून विक्रमालय, देहरादून।

५- मुख्य विक्रमाधिकारी, देहरादून।

६- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

७- संबंधित विक्रमाधिकारी।

८- गाई फाइल/पु० ३१०३०२१०।

आशा है,
(मार्जल केमर जारी)
अपर सचिव।